Mumbai Samachar

Newspapers are an essential part of modern civilization. They inform us about the latest developments that are taking place in the world. They also guide us and mould public opinion on issues of national and international importance. Newspapers provide space for public grievances and educate citizens on good citizenship and ethics.

Mumbai Samachar is Asia's oldest existing newspaper. First published on 1st July, 1822, the headquarter of this Gujarati newspaper was visited by Mahatma Gandhi and Sardar Vallabhbhai Patel for discussion on important issues. On 1st July, 2021, the newspaper has entered in the 200th year of publication.

Mumbai Samachar started as a small bunch of pamphlets on 1st July, 1822, by Parsi priest-cum-scholar, Fardunjee Murazban, considered as the pioneer of Gujarati journalism, as he started the first Indian printing press in 1812. The first version of the newspaper had consisted of 14-pages on three small quarto sheets and a half-sheet supplement in a 10 by 8 inch format.

Mumbai Samachar in its initial phase catered to the thriving business community of the city and provided business-related news, death announcements, and especially shipping time-tables as all trade was conducted through the Bombay port. A weekly till 1832, a bi-weekly till 1855, and then on to a full-fledged daily, the newspaper became a favourite of the Gujarati community comprising Parsis, Hindus, Jain, Dawoodi Bohras, Khojas and Memons, etc.

Over the years, while faithfully catering to the business community, "Mumbai Samachar" witnessed history as the Seven Isles known as Bombay transformed into Mumbai, the country's financial-glamour power capital. The Camas, who acquired it in 1933, continued the paper's strongly "nationalistic" editorial policies which endeared itself to the stalwarts of the freedom movement.

With a daily circulation of barely 15,000 copies in the 1930s, now it sells at least 10 times more. After Asia's first bourse, the Bombay Stock Exchange (BSE) started working in 1875, the "Mumbai Samachar" provided well-researched daily reports on the ups-and-downs till the 1990s Mumbai Samachar was eagerly lapped up by the investor community. Ms. Pinki Dalal became the first ever women editor for Gujarati Daily.

Currently more than 200 staff members and offices across four other centres apart from Mumbai, bring out a single daily edition of the paper, making it the oldest running newspaper in India. It has survived two World Wars, the fight against colonialism, global financial slumps and now the pandemic covid-19.

Mumbai Samachar has successfully overcome the brunt of digital media due to its credibility and adherence to its original values. Even today, authenticity of the news is the first priority of the newspaper. It continuously provides vast informative and educational material through its daily supplements. The newspaper has taken a number of initiatives to promote Gujarati language, literature and tradition. The daily has also mentored many young journalists who are doing very well in the field of Gujarati and regional language journalism.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on completion of 200 years of publication of Mumbai Samachar.

Credits :

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Ms. Gulistaan
Text	:	Referenced from the contents provided by proponent

डाक विभाग
Department of Posts

विवरणिका BROCHURE
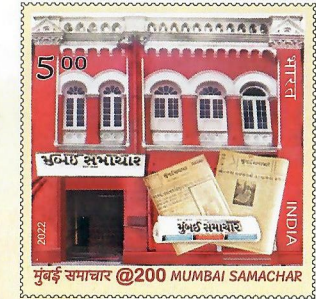
मुंबई समाचार

समाचार पत्र, आधुनिक सभ्यता का अभिन्न अंग हैं। ये हमें विश्व में हो रही ताजा घटनाओं की जानकारी प्रदान करते हैं। समाचार पत्र, हमारा मार्गदर्शन करने के साथ–साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर आम जनता की राय बनाने में भी मदद करते हैं। समाचार पत्र, जन शिकायत का भी माध्यम हैं और ये नागरिकों को बेहतर नागरिक बनने तथा नैतिकता की सीख भी देते हैं।

'मुंबई समाचार', एशिया का सबसे पुराना समाचार पत्र है। इसका पहला संस्करण 1 जुलाई, 1822 को प्रकाशित हुआ। इस गुजराती समाचार पत्र के मुख्यालय में महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान हस्तियों ने अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया। 1 जुलाई, 2021 को इस समाचार पत्र ने अपने प्रकाशन के 200वें वर्ष में प्रवेश किया है।

'मुंबई समाचार' की शुरुआत, गुजराती पत्रकारिता के पुरोधा माने जाने वाले पारसी पादरी एवं विद्वान फार्दूनजी मुर्जबान द्वारा कुछेक पैम्फलेट के समूह के रूप में 1 जुलाई, 1822 को की गई। फार्दूनजी मुर्जबान द्वारा ही 1812 में पहले भारतीय मुद्रणालय की शुरुआत की गई थी। इस समाचार पत्र के पहले संस्करण में कुल 14 पृष्ठ थे, जिनमें तीन छोटे 4 तह वाले कागज तथा एक 10×8 इंच का आधे पृष्ठ का सप्लीमेंट (अतिरिक्त कागज) शामिल था।

शुरुआत में, 'मुंबई समाचार' शहर के संपन्न व्यावसायिक वर्ग का अखबार था, जिसमें व्यवसाय से संबंधित ख़बरें, शोक संदेश और विशेषकर नौ–वहन समय–सारणी की जानकारी होती थी, क्योंकि उस समय सारा व्यापार बॉम्बे बंदरगाह के माध्यम से ही किया जाता था। 1832 तक साप्ताहिक समाचार पत्र, उसके बाद 1855 तक सप्ताह में दो बार और तत्पश्चात पूर्ण रूप से एक दैनिक समाचार पत्र के रूप में यह समाचार पत्र गुजराती समुदाय, जिसमें पारसी, हिन्दू, जैन, दाऊदी बोहरा, खोजा और मेमन आदि शामिल हैं, में अत्यंत लोकप्रिय रहा।

विगत वर्षों के दौरान, यह समाचार पत्र व्यवसाय जगत के सरोकारों से जुड़े समाचारों का पूरे उत्साह के साथ प्रकाशन जारी रखने के साथ–साथ 'मुंबई समाचार' के रूप में इस बात का भी गवाह रहा है कि कैसे सप्त द्वीप अर्थात बम्बई, देश के वित्तीय और ग्लैमर जगत के प्रमुख केन्द्र, मुंबई के रूप में उभरा है। 1933 में कामा परिवार को इस समाचार पत्र का स्वामित्व प्राप्त हुआ और इस परिवार ने, इस समाचार पत्र की दृढ़ राष्ट्रवादी सम्पादकीय नीतियों को जारी रखा, जिसके कारण यह समाचार पत्र स्वतंत्रता संग्राम के महान नेताओं का प्रिय रहा।

1930 के दशक में इस समाचार पत्र की दैनिक प्रसार संख्या मात्र 15,000 थी। आज यह बढ़कर लगभग 10 गुना से अधिक हो चुकी है। 1875 में एशिया के पहले स्टॉक एक्सचेंज अर्थात् बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की शुरुआत के बाद "मुंबई समाचार" ने शेयर बाजार के उतार–चढ़ाव पर विस्तृत शोध आधारित दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी प्रारंभ की और 1990 के दशक तक, 'मुंबई समाचार' निवेशक समुदाय में अत्यंत लोकप्रिय था। सुश्री पिंकी दलाल, इस गुजराती दैनिक की पहली महिला संपादक बनी।

वर्तमान में, 200 से अधिक स्टाफ सदस्य और मुंबई के अतिरिक्त चार अन्य स्थानों में स्थित कार्यालयों द्वारा इस समाचार पत्र का दैनिक संस्करण प्रकाशित होता है। यह, भारत का सबसे पुराना, आज भी प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र है। यह समाचार पत्र, दो विश्व युद्धों की विभीषका के साथ–साथ उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष, वैश्विक आर्थिक मंदियों तथा अब कोविड–19 की वैश्विक महामारी का गवाह रहा है।

अपनी विश्वसनीयता और अपने मौलिक सिद्धांतों के बल पर 'मुंबई समाचार' ने डिजिटल मीडिया की चुनौती का भी बखूबी सामना किया है। आज भी, समाचार की प्रामाणिकता इस अखबार की प्राथमिकता है। अपने दैनिक सप्लीमेंटो के माध्यम से यह समाचार पत्र, व्यापक मात्रा में ज्ञानवर्धक तथा शिक्षाप्रद सामग्री उपलब्ध कराता है। इस समाचार पत्र ने गुजराती भाषा, साहित्य और परंपरा के संवर्धन की दिशा में अनेक पहल की हैं। इस समाचार पत्र ने अनेक युवा पत्रकारों का मार्गदर्शन करते हुए उनका कैरियर भी संवारा है, जो गुजराती तथा क्षेत्रीय भाषाओं में बड़ा नाम कमा रहे हैं।

डाक विभाग, 'मुंबई समाचार' के प्रकाशन के 200 वर्ष पूर्ण होने पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण विवरणिका / विरूपण कैशे	:	सुश्री गुलिस्तां
पाठ	:	प्रस्तावक से प्राप्त सूचना के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	: 301600
Stamps Printed	: 301600
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00